ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 | अंक- 18 | दिसम्बर-II | (पाक्षिक) | माउण्ट आबू | Rs. 8.00

ब्रह्माकुमारीज़ की 80वीं वर्षगांठ पर सम्बलपुर शाखा द्वारा एक विशाल जन समागम

सशक्त भारत नवनिर्माण आध्यात्मिक महोत्सव

विशाल आध्यात्मिक महोत्सव के दौरान राजयोगिनी दादी जानकी के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू, ब्र.कु. पार्वती, विधायिका डॉ. रासेश्वरी, प्रसन्ना आचार्य, डॉ. श्रीमंत साहू, ब्र.कु. कमलेश दीदी तथा अन्य।

सम्बलपुर-ओडिशा। जीवन में सुख और शांति की प्राप्ति के लिए ओम शांति के महामंत्र को समझना ज़रूरी है। यह महामंत्र हमें 'मैं कौन और मेरा कौन' का सत्य परिचय और अनुभव कराता है। उक्त उद्‌गार ब्रह्माकुमारीज़ की 80वीं वर्षगांठ पर पी.एच. डी. मैदान में आयोजित एक विशाल आध्यात्मिक महोत्सव में ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झारखण्ड की राज्यपाल महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने अपने सम्बोधन में सभी के सम्मुख अपने जीवन की सुखद आध्यात्मिक यात्रा की अभिव्यक्ति की। उन्होंने सभी को यह बताया कि कैसे राजयोग के अभ्यास से उन्हें जीवन की सच्ची समझ मिली। उन्होंने वर्तमान परिस्थिति में ईश्वरीय ज्ञान तथा सहज राजयोग के महत्व को सभी के समक्ष रखा।

ब्रह्माकुमारीज़ की सब ज़ोन प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. पार्वती ने दादीजी तथा हंसा बहन का स्वागत तथा धन्यवाद करते हुए कहा कि आज ये सम्बलपुर धरती दादीजी की पावन उपस्थिति से धन्य धन्य हो गई। साथ ही उन्होंने सम्बलपुर तथा पूरे पश्चिम ओडिशा में ईश्वरीय सेवाओं की सफल यात्रा को सभी के सामने व्यक्त किया। मुम्बई से आये प्रो. ई. वी. स्वामीनाथन ने अपने प्रेरणादायक बोल से सभी को उत्साहित किया। माउण्ट आबू से आये मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. श्रीमंत साहू ने 'स्वस्थ जीवन के दस सुनहरे नियम' विषय पर सभी को जागृति दिलाई। मुम्बई से आईं ब्र.कु. श्रया ने 'खुशनुमा जीवन' के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की हर परिस्थिति में जितना ज़्यादा हम पॉज़ीटिव रहेंगे, उतना हम खुश रहेंगे। विधायिका बहन डॉ. रासेश्वरी 'वाह ज़िन्दगी वाह' विषय पर अपने प्रेरणादायक बोल से सभी को उत्साहित किया।

माउण्ट आबू से आये मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. श्रीमंत साहू ने 'स्वस्थ जीवन के दस सुनहरे नियम' विषय पर सभी को जागृति दिलाई। मुम्बई से आईं ब्र.कु. श्रया ने 'खुशनुमा जीवन' के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन की हर परिस्थिति में जितना ज़्यादा हम पॉज़ीटिव रहेंगे, उतना हम खुश रहेंगे। विधायिका बहन डॉ. रासेश्वरी पाणिग्रही ने सम्बलपुर के सभी निवासियों की तरफ से दादीजी का स्वागत किया।

लोकसभा सदस्य प्रसन्ना आचार्य ने भी दादीजी का धन्यवाद करते हुए सम्बलपुर वासियों को शुभकामनायें दीं।

ब्रह्माकुमारीज़ कटक सब ज़ोन प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. कमलेश दीदी ने भी अपनी शुभकामनायें दीं।

पूणे से आये हुए नटरंग अकादमी, सम्बलपुर के उकिया ग्रुप तथा कटक से शैलभामा ग्रुप के सभी कलाकारों ने बहुत ही आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

कार्यक्रम के मध्य एक यादगार पुस्तक 'ज्ञान झरना' का विमोचन दादी जानकी, राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू तथा सभी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. विशाल तथा ब्र.कु. दीपा ने किया। इस कार्यक्रम में ओडिशा तथा देश के विभिन्न स्थानों के पचास हज़ार से अधिक भाई बहनें शरीक हुए।

अलौकिक समर्पण समारोह

- 'पावन सरोवर रिट्रीट सेंटर' का उद्‌घाटन
- 44 कन्याओं ने आजीवन ईश्वरीय सेवार्थ किया खुद को समर्पित

सम्बलपुर-ओडिशा। नवनिर्मित 'पावन सरोवर रिट्रीट सेंटर में 'अनुभूति धाम' व 'आनंद भवन' के उद्‌घाटन एवं 44 टीचर बहनों के समर्पण समारोह तथा 50 कुमार भाइयों के सम्मान समारोह में ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी की उपस्थिति ने सभी में उमंग-उत्साह की लहर फैला दी। दादी ने रिबन काटकर भवन का उद्‌घाटन किया। तत्पश्चात् समर्पण समारोह में उन्होंने समर्पित होने वाली सभी टीचर बहनों को अपनी वरदानी दृष्टि से भरपूर किया।

इस अवसर पर पूरे ओडिशा से करीब 10,000 भाई-बहनें उपस्थित थे, जिसमें विशेष समर्पित होने वाली बहनों के सम्बंधी शामिल थे। समर्पित होने वाली बहनों के माता पिता ने अपनी कन्याओं का हाथ दादीजी के हाथों में अर्पित किया तथा बहनों ने प्रतिज्ञा पत्र पढ़ कर, जीवन भर एक परमात्मा दूसरा न कोई का व्रत पक्का किया। इस अवसर पर संध्याकाल में विशेष पावन सरोवर का परिसर रंग-बिरंगी बत्तियों से सजा था तथा भारत के विभिन्न प्रान्तों से आये हुए कलाकारों के संगीत एवं नृत्य की गूंज से गूंज रहा था। ये वातावरण अलौकिकता की छटा बिखेर रहा था।

ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी के समक्ष 44 पवित्र कन्याओं ने आजीवन ईश्वरीय सेवार्थ खुद को समर्पित करने का लिया संकल्प।

दादीजी के साथ साथ ब्र.कु. कमलेश दीदी, ब्र.कु. कुलदीप दीदी, ब्र.कु. नीलम बहन, ब्र.कु. लीना बहन तथा माउण्ट आबू से आये ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह, डॉ. श्रीमंत, मुम्बई से आये प्रो. स्वामीनाथन तथा अन्य वरिष्ठ भाई-बहनों ने भी अपनी शुभ कामनाएं दीं।